सक्सेस मिरर

वर्ष : 7
अंक : 83
दिसम्बर : 2016

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

6 | आज की सबसे बड़ी समस्या वैचारिक प्रदूषण

8 | समसामयिकी घटना संग्रह

10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 | आर्थिक घटना संग्रह

- आरबीआई ने रेपो दर में 0·25 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की
- झारखण्ड केरोसिन हेतु प्रत्यक्ष लाभ हस्तान्तरण करने वाला पहला राज्य बना
- एसबीआई म्यांमार में शाखा खोलने वाला देश का पहला बैंक बना
- एंड्राइड फोन हेतु देश का पहला सोलर पॉवर बैंक लॉन्च

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारतीय वायुसेना 21 राष्ट्रीय राजमार्गों को रनवे में बदलेगी
- केन्द्रीय कैबिनेट ने नई एथनॉल पॉलिसी को मंजूरी प्रदान की
- सिक्किम देश का पहला स्वच्छ राज्य बना
- तेलंगाना सरकार ने 21 नए जिलों को जोड़ा

26 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- गोवा में दो दिवसीय 8वाँ ब्रिक्स सम्मेलन सम्पन्न
- भारत ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाली गैस के उत्सर्जन को खत्म करने हेतु सहमत
- भारत और रूस के मध्य 16 समझौतों पर हस्ताक्षर
- विश्व के सबसे अधिक असुरक्षित देशों की सूची जारी

31 | खेल खिलाड़ी

- भारत ने कबड्डी विश्व कप, 2016 जीता
- भारतीय ऑफ स्पिनर आर. अश्विन आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर
- एंडी मरे ने शंघाई मास्टर्स खिताब जीता
- सौरभ वर्मा ने चीनी ताइपेई ओपन खिताब जीता
- ब्राजील ने ब्रिक्स अंडर–17 का खिताब जीता
- भारतीय निशानेबाज जीतू राय ने पिस्टल चैम्पियंस ट्रॉफी जीती

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

39 | विज्ञान समाचार

लेख

41 | **धार्मिक लेख**–महाराष्ट्र में भक्ति आन्दोलन : महाराष्ट्र धर्म (विवेचनात्मक अध्ययन)

43 | **अन्तर्राष्ट्रीय समझौता**–ईरान : परमाणु समझौते के नए अध्याय की शुरूआत

44 | **सामाजिक कुप्रथा लेख**–बंधुआ मजदूर : देश के माथे पर कलंक

45 | **कैरियर लेख**–कर्म द्वारा ही → जिन्दगी आपकी → एवं → सफलता भी

50 | **मीडिया लेख**–सामुदायिक रेडियो

87 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

88 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक–80 का परिणाम**

90 | **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

51 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) परीक्षा, 2015

66 उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2015 [प्रथम प्रश्न-पत्र : (कक्षा I से V तक)]

77 आगामी न्यू इण्डिया एश्योरन्स कं. लि. प्रशासनिक अधिकारी (जनरलिस्ट) प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2673340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
63-64, कैलाश मार्ग,
ग्राउण्ड फ्लोर,
श्रीजी एवेन्यू, मलहारगंज,
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

आज की सबसे बड़ी समस्या वैचारिक प्रदूषण

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

Clean and nourish your mind wisely every day. It can easily become a garbage bin.

—Philip Arnold

अब तक हमने अनेकविध प्रदूषणों के नाम सुने-पढ़े होंगे, यथा—मृदा प्रदूषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, अन्तरिक्ष के प्रदूषण आदि. सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक विकास प्रक्रिया के आगे बढ़ने, सूचना-सम्प्रेषण के नित नए साधन विकसित हो जाने से आज का व्यक्ति पर्यावरणीय प्रदूषण की बजाय वैचारिक प्रदूषण की घातकता से अधिक परेशान है. वैचारिक प्रदूषण व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र सभी के लिए एक गम्भीर चुनौती है.

विचारों में व्याप्त भय, चिन्ता, आशंकाएं, दुखद कल्पनाएं, भूत स्मृतियाँ व तनाव, परनिन्दा, दूसरों को नीचा दिखाने की भावना, दूसरों को कष्ट पहुँचाना तथा उन्हें कष्ट में देखते हुए प्रसन्नता अनुभव करना वैचारिक प्रदूषण के कतिपय रूप हैं. काम, क्रोध, मद, मोह, लोभ वैचारिक प्रदूषण के स्रोत हैं. आज हर 10 में से 9 व्यक्ति स्वयं के वैचारिक प्रदूषण से ग्रसित हैं. यद्यपि वह ऐसा सोचता है कि ये परेशानी अन्य कारणों से उसके भीतर आई है. यदि वातावरण में मौजूद प्रतिकूलताएं हट जाएंगी, तो उसके भीतर से समस्त चिन्ताएं व डर भी समाप्त हो जाएंगे, किन्तु ऐसी सोच यथार्थ नहीं है. जीवन में से विसंगतियाँ समाप्त नहीं होतीं, किन्तु हमारे विचारों में से यदि ये चली जाएं तो हमारे जीवन से भी धीरे-धीरे चली जाएंगी.

आज जिधर देखो, वहाँ सर्वत्र भय का माहौल है. हर इंसान दूसरे को शंकायुक्त दृष्टि से देखता है. कहीं ये मुझसे कुछ छीन न ले, कहीं कोई मेरी गुप्त बात प्रकाशित न हो जाए, कहीं मेरे ऊपर कोई आक्रमण न कर दे, कदाचित् मेरी नौकरी छूट जाए, तो मैं क्या करूँगा, अगर मैं पेपर न दे पाया, उस समय मैं बीमार पड़ गया तो क्या होगा, मेरे बुढ़ापे में मेरी कौन सेवा करेगा ? मेरा बेटा या पति मुझे छोड़कर चला जाए तो मेरा क्या होगा, कोई चोर घर में घुस जाए तो मैं क्या करूँगा, मेरी जेब कट जाए, या मेरी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो जाए, तो ये और इस तरह की अनेक प्रकार की संदेहयुक्त सोच वैचारिक प्रदूषण का सामान्य रूप है. हमें हर काम डर-डर के करना सिखाया जाता रहा है, यहाँ तक कि हमारे देश में साधु-संत भी लोगों के मन में डर पैदा कर उनको दान-पुण्य, पूजा आदि अनुष्ठान करवाते रहे हैं. डर वैचारिक प्रदूषण का एक अन्यतम कारण है. विचारों में मौजूद वासनात्मक वृत्तियाँ पूरे माहौल को प्रदूषित करती हैं. तेजी से फैलता आतंकवाद, सामूहिक नरसंहार, महिलाओं और बच्चों का दैहिक शोषण, व्यभिचार, दुर्व्यसन, काला-बाजारी, मिलावट, कर अपवंचन, तस्करी, चौरी-डकैती, आगजनी, हत्या आदि वैचारिक प्रदूषण की देन हैं.